अध्याय पंचम

शोध सारांश निष्कर्ष एवं सुझाव

अध्याय पंचम
शोध सारांश, निष्कर्ष एवं सुझाव

5.1 प्रस्तावना

सारांश किसी भी अध्ययन को संक्षिप्त करने का प्रयास होता है। जिसके द्वारा अध्याय को संक्षिप्त व सरल रूप में समझा जा सकता है। इस अध्याय में लघुशोध का सारांश एवं अध्याय-4 में दिये गये प्रदत्तों के विश्लेषण से प्राप्त निष्कर्ष को प्रस्तुत किया गया है। साथ ही साथ संबंधित अध्ययन को विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने के लिये सुझाव भी देने का प्रयास किया गया।

5.2 समस्या कथन

"जवाहर नवोदय विद्यालय की कक्षा 6वी की बालीकाओं के सामाजिक समायोजन एवं शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन"

5.3 अध्ययन के उद्देश्य

- जवाहर नवोदय विद्यालय की बालिकाओं के विभिन्न विषयों की उपलब्धि का अध्ययन करना।
- जवाहर नवोदय विद्यालय की बालिकाओं की सामाजिक समायोजन का अध्ययन करना।
- जवाहर नवोदय विद्यालय की बालिकाओं की विषयवार उपलब्धि का सामाजिक समायोजन के साथ सहसंबंध का अध्ययन करना।

5.4 परिकल्पनाएँ

- कक्षा 6वी की बालीकाओं के सामाजिक समायोजन एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य कोई साथकि संबंध नहीं है।

5.5 अध्ययन की सीमाएँ

- प्रस्तुत शोध महाराष्ट्र के गोदिया जिले के क्षेत्र में निहित है।
- प्रस्तुत शोध गोदिया जिले के नवेगावबाध में किया गया है।

- शोध मे केवल एक जवाहर नवोदय विद्यालयों को सम्मिलित किया गया है जो गोदिया जिले मे हैं।
- शोध मे केवल 6वी कक्षा की बालिकाओं को सम्मिलित किया गया है।
- प्रस्तुत शोध मे विद्यार्थियों कि आयु 11 से 13 वर्ष के बीच है।
- प्रस्तुत शोध मे शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थीयों का चयन किया गया लै।
- प्रस्तुत शोध मे सी.बी.ई. विद्यालय जवाहर नवोदय विद्यालय बोर्ड महाराष्ट्र के विद्यार्थियों 6वी कक्षा का चयन किया गया है।
- प्रस्तुत शोध जवाहर नवोदय विद्यालय की कक्षा 6वी की छात्राओं के शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक समायोजन को लिया गया है।

5.6 न्यादर्श का चयन

जब किसी जनसंख्या (इकाई या मनुष्यों का समूह) मे किसी चर का विशिष्ट मान ज्ञान करने के लिए उसकी कुछ इकाईयों को चुन लिया जाता है। इसे चुनने की क्रिया को न्यादर्श कहते है तथा चुनी हुई इकाईयो के समूह के न्यादर्श चयन कहते है। न्यादर्श जनसंख्याा का एक भाग है जो दिये गये उद्देश्य के लिए महत्वपूर्ण जाति या प्रतिनिधित्व होता है। इसलिए न्यादर्श पर आधारित निष्कर्ष सम्पूर्ण जाती कि वैद्य होता है।

न्यादर्श के चयन हेतु शोधकर्ता द्वारा नवोदय विद्यालय की कक्षा 6 वीं की छात्राओं की सूची प्राप्त की गई। इनमे से चयनित छात्राओं का अध्ययन कक्षा 6 वीं की 33 बालिकाओं का चयन यादृच्छिक रूप से न्यादर्श विधि से लॉटरी पद्धति द्वारा किया गया। इस प्रकार न्यादर्श मे शासकीय जवाहर नवोदय विद्यालय की 33 बालिकाओं का चयन किया गया।

5.7 शोध के चर

प्रस्तुत शोध हेतु मुख्यतः दो चरो सामाजिक समायोजन एवं शैक्षिक उपलब्धि को चुना है क्योकि यह शोध अनेकों चरो से मिलकर बना है, परन्तु विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि बढ़ाने के लिये क्या सामाजिक समायोजन आवश्यक होता है या नहीं यह जानना इस शोध का मुख्य उद्देश्य है।

शोध मे मुख्य रूप से दो प्रकार के चर होते है

स्वतंत्र चर – सामाजिक समायोजन

आश्रित चर – शैक्षिक उपलब्धि

5.8 लघुशोध संबंधित उपकरण का विवरण

किसी भी शोधकार्य में उपकरणों का बहुत महत्व होता है। क्योकि इन उपकरणों का चयन एवं उपयोग बड़ी सावधानीपूर्वक किया जाना चाहिए, जिससे परिणाम की विश्वसनीयता पर संदेह न किया जा सकें।

प्रस्तुत अध्ययन में जवाहर नवोदय विद्यालय की कक्षा 6वी की बालीकाओं के सामाजिक समायोजन एवं शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन करने हेतु निम्नांकित शोध उपकरणों का उपयोग किया गया।

प्रमाणित उपकरण

1. General classroom advisement Test (1996) G cat by A.K. Singh & A sen Gupta (Class vill).
2. Bell's Adjustment Inventory (BAI) (1994) By R.K. Ojha (Hindi & English) for High School to post graduate level)

5.9 उपकरणों का प्रशासन

अनुसंधानकर्ती को अपने शोध संबंधी जानकारी हासिल करने के लिए 10 दिन का समय लगा। तारीख 28 जनवरी से 8 फरवरी 2015 तक प्रदत्तों का संकलन किया गया।

इसके लिए कक्षा 6वीं के जवाहर नवोदय विद्यालय का चयन किया गया। विद्यालय के प्राचार्य से संपर्क करके उनसे प्रदत्तों के संकलन की विधिवत अनुमति प्राप्त की।
विद्यार्थियों को शोध उपकरण संबंधित निर्देशन निम्नांकित रूप से दिये गये–

- इस परीक्षण का निर्माण केवल शोध हेतु किया जायेगा।
- इसका उद्देश्य आपका मूल्यांकन नहीं है।
- प्रदत्त की जानकारी गोपनीय रखी जायेगी।

- प्रश्नावली में निर्धारित जगह पर नाम, विद्यालय का नाम, लिंग, क्षेत्र सावधानी पूर्वक ? रने को कहा गया।

5.10 प्रदत्तों का संकलन

लघुशोध प्रबंध में शोधकर्ता ने शोध से संबंधित आकड़ों का संकलन करने के लिये भोपाल संभाग के शासकीय व अशासकीय विद्यालय को शामिल किया गया है।

5.11 प्रयुक्त सांख्यिकीय प्रविधियाँ

संख्यकीय मापन शोध का मुख्य उपकरण है। अध्ययनकर्ती प्रदत्तों का कुशलता पूर्वक विश्लेषण करने हेतु सांख्यकीय विधियों का प्रयोग करती है जो विश्लेषण की प्रक्रिया का आधार होती है।

5.12 शोध के परिणाम

बालिकाओं के सामाजिक समायोजन तथा शैक्षिक उपलब्धि के विश्लेषण के पश्यात निम्नलिखित परिणाम प्राप्त हूये है।

1कक्षा 6वी की बालीकाओं सख्या 50 है उसमे 17 बालक है।बालीकाओं सख्या

बालकोसे जादा है।

2 बालीकाओं की शैक्षिक उपलब्धि जादा है।

3 बालीकाओं की शैक्षिक उपलब्धि बालकोसे जादा है।

5.13 निष्कर्ष

बालिकाओं के सामाजिक समायोजन तथा शैक्षिक उपलब्धि के विश्लेषण के पश्यात

निम्नलिखित निष्कर्ष प्राप्त हूये है।

1 बालीकाओं की सख्या 33 है।

2 बालीकाओं की शैक्षिक उपलब्धि मध्यमान 58.39 है सह संबंध .087 है ।

5.14 भावी शोध हेतु सुझाव

बालिकाओं के सामाजिक समायोजन तथा शैक्षिक उपलब्धि को बढ़ावा देने के लिए इस विषय पर आधारित शोध कार्य निरंतर किये जाने चाहिए जिनके कुछ निम्न विषय हो सकते है :-

- न्यादर्श का आकार बढ़ा करके भविष्य में इस विषय पर शोध कार्य किया जा सकता है।
- इस विषय पर बालक एवं बालिकाओ का मध्य तुलनात्मक अध्ययन किया जा सकता है।
- बालिकाओं के बीच समायोजन तथा शैक्षिक उपलब्धि समायोजन तथा शैक्षिक उपलब्धि समायोजन तथा शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन करना।

सारांश –

मेरी शोध का विषय जबाहर नवोदय विद्यालय की कक्षा 6वी की बालिकाओं का सामाजिक समायोजन एवं शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन करना है।

प्रस्तुत शोध जवाहर नवोदय विद्यालय की कक्षा 6वी की बालिकाओं का सामाजिक समायोजन एवं शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन के बीच किया गया। प्रस्तुत शोध में कुल 33 बालिकाओं को शामिल किया गया। जिसमें 33 बालिकाओं से ली गई। शोध में प्रयुक्त चर सामाजिक समायोजन तथा शैक्षिक उपलब्धि है। सामाजिक समायोजन स्तर को ज्ञान करते हेतु डॉ. आर. के. ओझा को बालकों के साथ पढाने में कोई भेद नहीं करने। इसके साथ ही छात्राओं में स्वस्थ प्रतियोगिता होनी है अर्थात आत्मविश्वास भी बढ़ना है तथा समाज में जिस तरह से बालिका को समझा जाना है जैसे – ये घर के कार्य तक सीमित है या आपको ज्यादा बाहर घूमने का अधिकार नहीं है। ऐसी कई प्रकार की सामाजिक रुढिवादी बातों को नजरअंदाज करते हुए ये छात्राए अपना सामाजिक समायोजन आसानी से करनी है तथा इन सभी कारणो से उनकी शैक्षिक उपलब्धि का स्तर भी बढता है।

- शिक्षको को बालिकाओं की समस्याओं को समझना चाहिए, उन्हें सामाजिक समायोजन के बारे में जानकारी देना चाहिए। विद्यालय में छात्र एवं छात्राओं के बीच प्रतियोगिताओं को रखना आवश्यक है।
- बालिकाओं और अभिभावकों के बीच उनका समायोजन अच्छा होना चाहिए। सामाजिक परिवेश के बारे में अभिभावकों को अपने बच्चों को जानकारी देना आवश्यक है।
- बालिकाओं को परिवार, समाज व विद्यालय से सकारात्मक दिशा मिलनी चाहिए ताकि उनका सामाजिक समायोजन तथा शैक्षिक उपलब्धि उच्च हो सके।
- बालिकाओं को शिक्षा के प्रति परिवार के सदस्यों द्वारा अभिप्रेरित करना आवश्यक है।